मौका दीजिए, भारत को बाहर से न तेल मंगाना पड़ेगा, न ही गोल्ड: अनिल अग्रवाल से खास बातचीत

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का कहना है कि भारत के पास तेल, गैस, गोल्ड, कॉपर, सिल्वर और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे संसाधनों की कोई कमी नहीं है. कमी सिर्फ भरोसे, आसान पॉलिसी और एंटरप्रेन्योरशिप को खुली छूट देने की है. अगर सरकार प्राइवेट सेक्टर पर विश्वास करे और एक्सप्लोरेशन-मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे, तो भारत आयात पर निर्भरता घटाकर एनर्जी और मिनरल्स में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि सरप्लस देश बन सकता है. CNBC आवाज के मैनेजिंग एडिटर अनुज सिंघल के साथ खास बातचीत में उन्होंने और क्या-क्या कहा, यहां जानिए...

नई दिल्ली. भारत की एनर्जी सिक्योरिटी, मेक इन इंडिया, गोल्ड-कॉपर प्रोडक्शन, ऑयल इंपोर्ट और प्राइवेटाइजेशन जैसे बड़े मुद्दों पर CNBC आवाज के मैनेजिंग एडिटर अनुज सिंघल ने 'भारत इकॉनमिक संवाद' में वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल से खास बातचीत की. इस दौरान अनिल अग्रवाल ने कहा कि भारत के पास जमीन के ऊपर और जमीन के नीचे, दोनों जगह अपार संसाधन हैं. अगर एंटरप्रेन्योरशिप को भरोसा और काम करने की आजादी मिले तो देश न सिर्फ आयात पर निर्भरता घटा सकता है, बल्कि एनर्जी और मिनरल्स में सरप्लस भी बन सकता है. उन्होंने हिंदुस्तान जिंक, एलुमिनियम, सिल्वर, कॉपर, गोल्ड, ऑयल एंड गैस, सेमीकंडक्टर और एजुकेशन सेक्टर को लेकर अपने विजन पर विस्तार से बात की. पढ़िए अनुज सिंघल और अनिल अग्रवाल के बीच हुई पूरी बातचीत.

अनुज सिंघल: लेडीज एंड जेंटलमैन, प्लीज अ स्टैंडिंग ओवेशन फॉर मिस्टर अनिल अग्रवाल. अनिल अग्रवाल जी लंदन से सिर्फ इस इवेंट के लिए आए हैं और इसके बाद वापस जाएंगे. CNBC आवाज के इस इवेंट का हिस्सा बनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद.

अनिल अग्रवाल: सबसे पहले बहुत-बहुत धन्यवाद. हमारे जैसे साधारण लोगों को आप बुलाते हैं, मंच देते हैं, इसके लिए CNBC का तहे दिल से शुक्रिया. आपने हिंदी को जो महत्व दिया है, वह बहुत बड़ी बात है. एक समय ऐसा लगता था कि हिंदी बोलना छोटे लोगों की बात समझी जाती है, लेकिन CNBC ने हिंदी बोलने को गर्व की बात बना दिया है.

मैं सभी पत्रकारों का भी बहुत आभारी हूं. खासकर बिहार और पूर्वांचल के पत्रकारों का, जिन्होंने भले ज्यादा पैसा न कमाया हो, लेकिन उनकी बुद्धि, महत्वाकांक्षा और लिखने की क्षमता देश को आगे ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी.

अनुज सिंघल: विकसित भारत 2047 में वेदांता ग्रुप की भूमिका को आप कैसे देखते हैं?

अनिल अग्रवाल: भारत में ऐसी कोई चीज नहीं है जो हमारे पास न हो, चाहे जमीन के ऊपर हो या जमीन के नीचे. आजादी के बाद हमने अनाज और खाने-पीने की चीजों में आत्मनिर्भरता हासिल की, क्योंकि पूरा देश उस आंदोलन से जुड़ा. लेकिन जमीन के नीचे मौजूद संसाधनों को लेकर अभी भी हमें बहुत काम करना है. दुनिया

भारत को एक बड़े मार्केट की तरह देखती है. मिडिल ईस्ट चाहता है कि तेल और गैस भारत को बेचे. गोल्ड काउंसिल और मिनरल्स वाले देश चाहते हैं कि भारत खुद उत्पादन न करे और आयात पर निर्भर रहे.